Regarding alleged threat to Golden Temple, Amritsar

श्री गुरजीत सिंह औजला **(**अमृतसर**) :** मैडम, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विषय आपके ध्यान में लाना चाहता हूं । सर्वशांति वार्ता का प्रतीक हरमिंदर साहिब, गोल्डन टेम्पल दरबार सहिब, जहां पर अमृतता का उपदेश मिलता है । पूरी संसद के लोग भी वहां जाते हैं और वहां पर सबके भले के लिए अरदास होती है । ऐसी पवित्र जगह को कुछ नापाक इरादे और आतंकवादी सोच के लोग, जिनका कोई धर्म, कोई वर्ग नहीं होता है, वे लगातार 14 जुलाई से वहां धमकी भरे ई-मेल भेज रहे हैं । जो आदमी गुरू ग्रंथ साहिब जी की पवित्र वाणी को जानता है, वह आदमी ऐसा काम नहीं कर सकता है, लेकिन ये आतंकी लोग ऐसी पवित्र जगह के ऊपर लगातार ई-मेल भेज रहे हैं । शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी भी चिंतित है और सारे लोग चिंतित हैं, लेकिन अभी तक एक भी आदमी नहीं ढूंढा गया है । अभी कम्युनिकेशन मिनिस्टर साहब जवाब दे रहे थे कि हमने बहुत टेक्नोलॉजी विकसित कर ली है । मैं यह पूछना चाहता हूं कि 14 जुलाई से आज 15 दिन हो गए हैं, लेकिन अभी तक हम उस जगह तक पहुंच नहीं पाए हैं ।

मेरी सरकार से दरख्वास्त है कि ऐसी पवित्र जगह अमृतसर पर अटैक भी हुआ, जब यह बात चल रही थी । मैं बहुत महत्वपूर्ण बात कहना चाहता हूं । पाकिस्तान ने नापाक इरादों से अमृतसर और पूरे देश के ऊपर हमले भी किए । मेरी रिक्वेस्ट है कि ऐसी मानवता वाली जगह को ?नो-वॉर जोन? घोषित करना चाहिए । सरकार को यह मुद्दा इंटरनेशनली उठाना चाहिए । जो नापाक इरादे वाले लोग हैं, इनको सरकार जल्दी से पकड़कर सलाखों को पीछे फेंके ।